

दिमाग पुं. (अर.) 1. खोपड़ी के अंदर का मांसल भाग, गूदा, मस्तिष्क 2. बुद्धि, अक्ल दे. बुद्धि 3. अहंकार उदा. उसका दिमाग बहुत ऊपर हो गया है 4. ध्यान, एकाग्रता उदा. दिमाग से काम करो मुहा. दिमाग आसमान पर होना- बहुत घमंड होना; दिमाग खाना- ज्यादा बोलकर परेशान करना; दिमाग खाली करना- अधिक बोलकर या सोचकर थक जाना; दिमाग चढ़ना-घमंडी होना; दिमाग घूम जाना- सिर चकरा जाना, सही गलत का विचार न कर पाना; दिमाग लड़ना/दौड़ना- खूब सोच विचार करना।

दिमागदार वि. (अर.) दिमागवाला, समझदार, बुद्धिमान, अहंकारी

दिमागदारी स्त्री. (अर.) बुद्धिमत्ता, समझदारी, घमंड।

दिमागी वि. (अर.) दिमाग से संबंधित, जिसमें दिमाग लगाना पड़े।

दिया स.क्रि. (तद्.) देना क्रिया या भूतकालिक रूप (ने के प्रयोग के साथ) पुं. (देश.) दीपक, दीया, दीआ।

दियानतदार वि. (अर.) ईमानदार, प्रामाणिक, सत्यनिष्ठ

दिया-बत्ती स्त्री. (देश.) शाम होने के बाद या समय से दीपक जलाने का कार्य।

दियारा पुं. (देश.) नदी के किनारे का फैला हुआ रेतीला भू भाग; कछार।

दिया-सलाई स्त्री. (देश.+फा) 1. लकड़ी की तीलियाँ जिसके एक सिरे पर रासायनिक लेप होता है जिसे निश्चित स्थान पर रगड़ने से तीली जल उठती है 2. ऐसी तीलियों की डिब्बी (माचिस, सेफ्टी मैच)।

दिरम/दिरहम पुं. (फा.) 1. मिस्र में प्रचलित एक चाँदी का सिक्का 2. एक तौल।

दिल पुं. (फा.) 1. जीव. शरीर का वह अवयव जिसके माध्यम से संपूर्ण शरीर में शुद्ध रक्त का संचार होता है, दूषित रक्त के स्थान पर शुद्ध रक्त वितरित होता है और जिसकी

प्रक्रिया के बंद होते ही शरीर का भी अंत हो जाता है 2. साहि. अंतःकरणों (मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार) में से चित्त की वह वृत्ति जो, प्रेम, स्नेह, ममता, मोह आदि कोमल भावनाओं को जन्म देती हैं और उनका पोषण करती है 3. इच्छा 4. हिम्मत, साहस, हौसला मुहा. दिल अटकना-किसी से प्रेम हो जाना; दिल अटकाना- किसी से प्रेम करने लगना; दिल कड़ा/कठोर करना- दृढ़ होना, न घबराना; दिल का छोटा होना- मन में कपट होना; दिल गवाही देना- अंतरात्मा की आवाज होना; दिल का गुबार निकालना- मन की भड़ास निकालना; दिल का बादशाह- उदार होना, मनमौजी होना; दिल की आग बुझना-बदला पूरा होना; दिल की कली खिलना- प्रसन्न हो जाना; दिल की दिल में रह जाना- मन की इच्छा पूरी न हो पाना; दिल के फफोले फूटना-मन का उद्वेग शांत होना; दिल के फफोले फोड़ना- उद्वेग शांत करना, दिल को करार देना- मन को शांति मिलना; दिल खट्टा होना-मन का उचाट हो जाना; दिल जमना- पसंद आ जाना; दिल जलाना- कष्ट देना; दिल डूबना-बहुत घबराना, बेहोश होने की स्थिति होना; दिल तोड़ना- हिम्मत छोड़ना, किसी को इच्छा का अनादर करना; दिल दहलना- हिम्मत टूट जाना; दिल दुखाना- मन को कष्ट देना; दिल देना- प्रेम में आसक्त हो जाना; दिल दौड़ना-कुछ प्राप्त करने की इच्छा होना; दिल धड़कना-घबराना; दिल पकना- बातें सुन सुन कर दुखी हो जाना; दिल बैठना- दे. दिल डूबना; दिल भर आना- करुणा से भर जाना; दिल मिलना- मन मिल जाना; दिल में गाँठ पड़ जाना- कोई बात चुभ जाना; दिल में घर करना- मन में बैठ जाना; दिल में फफोले पड़ना- कष्ट होना; दिल में फर्क आ जाना- किसी कारण मन बदल जाना; दिल मैला करना- मन खराब हो जाना, मन में खोट होना; दिल से दूर करना- भूलना या भूलने का प्रयत्न कहना; दिल ही दिल में-मन ही मन में।

दिलकश वि. (फा.) लुभावना, चित्ताकर्षक।